AISECT LEARN
Better education. Better careers

# संस्कृत सम्भाषण एवं अनुप्रयोग

## (सेल्फ-पेस्ड)

### Course Overwiew

यह संस्कृत जगत के सभी विद्यार्थियों के लिए परम आवश्यक कोर्स है। इसके अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृत में वाव्यवहार करना सीखेंगे , संस्कृत के ग्रंथों को पढ़ ना सीख सकेंगे। संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद करने में सक्षम होंगे। हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद करने में सक्षम होंगे । भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुसार विद्यार्थी संस्कृत साहित्य में वर्णित विविध विषय जैसे - साहित्य, गणित, भौतिकी, रसायन, चिकित्सा, आयुर्वेद, इतिहास, विमान शास्त्र आदि का बोध प्राप्त करने में समर्थ होंगे। इसके साथ ही विद्यार्थी अपने मित्रों, माता-पिता एवं अन्य समाजिकों के साथ संस्कृत भाषा में वार्ता करना भी सीखेंगे।

## Course Objective

इस पाठ्यक्रम के अंत में, प्रतिभागी सक्षम होंगे:

- इस पाठ्यक्रम के अधययन से अध्येता संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- विधयार्थी इस पाठ्यक्रम से अपने जीवन में प्रयोग होने वाले वाग्व्यवहार को संस्कृत में कर सकेंगे।
- विधयार्थी संस्कृत भाषा में प्रयोग होने वाले शब्दों एवं का क्रियाओं समुचित ज्ञान प्राप्त कर उनका प्रयोग कर सकते हैं।
- विधयार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से संस्कृत से हिंदी में एवं हिंदी से संस्कृत में अनुवाद कर पायेंगे।

## Skills you will learn

- शुद्ध उच्चारण
- हिंदी से संस्कृत में अनुवाद
- संस्कृत से हिंदी में अनुवाद
- श्लोक गायन
- संस्कृत संभाषण में दक्षता

## Program Highlights

Instructor- डॉ. दीपक तिवारी

Eligibility 10+2

No. of Modules 5

Language HINDI

Shareable Certificate

# Curriculum

Module : 1
माहेश्वरसूत्र, प्रत्याहार एवं उच्चारण स्थान

- १.१ माहेश्वर सूत्र
- १.२ प्रत्याहार
- १.३ प्रत्याहार
- १.४ प्रत्याहार
- १.५ प्रत्याहार
- १.६ वर्णोच्चारण

Module : 2
सरल सम्भाषण – १

- २.१ आत्मपरिचय
- २.२ मम, अस्ति
- २.३ भवत:, भवत्या:, भवान्, भवती
- २.४ कार्य, स्थान
- २.५ शिष्टाचार:
- २.६ कक्षा
- २.७ संख्या
- २.८ समय
- २.९ दिनचर्या
- २.१० दिनचर्या

Module : 3
सरल सम्भाषण – २

- ३.१ पुल्लिग सर्वनाम एकवचन स: वह एवं क्रियात्मक वाक्य
- ३.२ पुल्लिग सर्वनाम एकवचन एष: – यह एवं क्रियात्मक वाक्य
- ३.३ स्त्रीलिंग सर्वनाम एकवचन सा – वह एवं क्रियात्मक वाक्य
- ३.४ स्त्रीलिंग सर्वनाम एकवचन एषा – यह एवं क्रियात्मक वाक्य
- ३.५ पुल्लिग सर्वनाम एक वचन एवं बहुवचन स: – वह , ते – वे सब
- ३.६ पुल्लिग सर्वनाम एक वचन एवं बहुवचन एष: – यह , एते – ये सब
- ३.७ स्त्रीलिंग सर्वनाम एक वचन एवं बहुवचन सा – वह , ता: – वे सब
- ३.८ स्त्रीलिंग सर्वनाम एक वचन एवं बहुवचन एषा – यह , एता: – ये सब
- ३.९ नपुंसकलिङ्ग सर्वनाम एकवचन, बहुवचन (तत् – वह, तानि – वे सब)
- ३.१० नपुंसकलिङ्ग सर्वनाम एकवचन, बहुबचन (एतत् – यह, एतानि – ये सब)

Module : 4
शब्दरूप एवं धातुरूप

- ४-१ पुल्लिंग शब्द रूप - राम
- ४.२ नपुंसक लिङ्ग शब्द रूप - फल
- ४.३ पुल्लिंग शब्द रूप - हरि
- ४.४ पुल्लिंग शब्द रूप - पितृ
- ४.५ स्त्रीलिंग शब्द रूप - रमा
- ४.६ स्त्रीलिंग शब्द रूप - मति
- ४.७ धातु रूप - भू - होना
- ४.८ धातु रूप पठ् - पढ़ ना
- ४.९ धातु रूप - हस् - हसना
- ४.१० धातु रूप - पच् - पकाना
- ४.११ धातु रूप - अद् - खाना
- ४.१2 धातु रूप - आप् - पाना

Module : 5
शब्दरूप एवं धातुरूप
अनुवाद एवं संस्कृत
वाग्व्यवहार

- ५.१ वर्तमान काल लट् लकार प्रथम पुरुष प्रयोग
- ५.२ वर्तमान काल लट् लकार मध्यम पुरुष प्रयोग
- ५.३ वर्तमान काल लट् लकार उत्तम पुरुष प्रयोग
- ५.४ भूतकाल लृट् लकार प्रथम पुरुष प्रयोग
- ५.५ भूतकाल लृट् लकार मध्यम पुरुष प्रयोग
- ५.६ भूतकाल लृट् लकार उत्तम पुरुष प्रयोग
- ५.७ भविष्यकाल लृङ् लकार प्रथम पुरुष प्रयोग
- ५.८ भविष्यकाल लृङ् लकार मध्यम पुरुष प्रयोग
- ५.९ भविष्यकाल लृङ् लकार उत्तम पुरुष प्रयोग
- ५.१० आज्ञार्थक लोट् लकार प्रथम पुरुष प्रयोग
- ५.११ आज्ञार्थक लोट् लकार मध्यम पुरुष प्रयोग
- ५.१२ आज्ञार्थक लोट् लकार उत्तम पुरुष प्रयोग
- ५.१३ चाहिए अर्थ में विधिलिंग लकार प्रथम पुरुष प्रयोग
- ५.१४ चाहिए अर्थ में विधिलिंग लकार मध्यम पुरुष प्रयोग
- ५.१५ चाहिए अर्थ में विधिलिंग लकार उत्तम पुरुष प्रयोग